करेंट अफेयर्स
उत्तराखंड
(संग्रह)

अप्रैल
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तराखंड 3

- उत्तराखंड में 18 स्थानों के नाम बदले गए 3
- नैनी झील 4
- उत्तराखंड में मदरसे फिर से खुलेंगे 5
- वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-II (VVP-II) 6
- अंतर दृष्टि 7
- चिंतन शिविर 2025 8
- इक्विन इन्फ्लूएंजा 10
- उत्तराखंड में सिल्क्यारा सुरंग 12
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लिंक परियोजना 13
- उत्तराखंड में अवैध निवासियों के विरुद्ध अभियान 14
- कैलाश मानसरोवर यात्रा 15
- FSSAI ने चार धाम यात्रा के दौरान स्वस्थ आहार को बढ़ावा दिया 16
- एसईएफसीओ-2025 18
- शिव प्रतिमा केदारनाथ मंदिर के लिये रवाना 19

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड

उत्तराखंड में 18 स्थानों के नाम बदले गए

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल और उधम सिंह नगर ज़िलों में स्थित **18 स्थानों के नाम बदलने की घोषणा** की।

मुख्य बिंदु

- **नाम परिवर्तन के पीछे उद्देश्य:**
  - मुख्यमंत्री ने कहा कि नाम बदलने की पहल का **उद्देश्य जनभावना का सम्मान करना तथा भारतीय संस्कृति और विरासत को संरक्षित करना है।**
  - उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नए नाम भारतीय संस्कृति में योगदान देने वाले **महान व्यक्तियों को सम्मानित करके लोगों को प्रेरित करेंगे।**
- **पुनः नामित स्थान:**
  - **हरिद्वार ज़िले में:**
    - औरंगज़ेबपुर (भगवानपुर ब्लॉक) ⟶ शिवाजी नगर
    - गाज़ीवाली (बहादराबाद ब्लॉक) ⟶ आर्य नगर
    - चाँदपुर (बहादराबाद ब्लॉक) ⟶ ज्योतिबा फुले नगर
    - मोहम्मदपुर जाट (नारसन ब्लॉक) ⟶ मोहनपुर जाट
    - खानपुर कुरसाली (नारसन ब्लॉक) ⟶ अंबेडकर नगर
    - इदिरिसपुर (खानपुर ब्लॉक) ⟶ नंदपुर
    - खानपुर (खानपुर ब्लॉक) ⟶ श्री कृष्णपुर
    - अकबरपुर फज़लपुर (रुड़की) ⟶ विजय नगर
  - **देहरादून में:**
    - मियाँवाला ⟶ रामजीवाला
    - पीरवाला ⟶ केसरी नगर
    - चाँदपुर खुर्द ⟶ पृथ्वीराज नगर
    - अब्दुलपुर ⟶ दक्ष नगर
  - **नैनीताल में:**
    - नवाबी रोड ⟶ अटल मार्ग
    - पनचक्की से IIT रोड ⟶ गुरु गोवलकर मार्ग
  - **उधम सिंह नगर में:**
    - **सुल्तानपुर पट्टी नगर पंचायत ⟶ कौशल्यापुरी**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

नैनी झील

चर्चा में क्यों ?

नैनीताल की नैनी झील **का जलस्तर 4.7 फीट तक** पहुँच गया है, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे कम है।

मुख्य बिंदु

- **पेयजल की कमी पर चिंता:**
  - विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि नैनी झील का **जल स्तर "शून्य स्तर" से नीचे गिर सकता है, जिससे गर्मियों से पहले पेयजल की कमी की चिंता बढ़ गई है।**
  - **"शून्य स्तर" का** तात्पर्य पूर्णत: सूख जाना नहीं है, बल्कि **इसका तात्पर्य झील के पानी के सामान्य गेज स्तर से नीचे गिरने से है,** जिसका निर्धारण ऐतिहासिक आंकड़ों के आधार पर किया जाता है।
- **जल निकासी और घटता स्तर:**
  - नैनी झील की सर्वाधिक गहराई 89 फीट है तथा इसका गेज स्तर 12 फीट है।
  - **उत्तराखंड जल संस्थान** नैनीताल को पेयजल आपूर्ति के लिये प्रतिदिन 10 मिलियन लीटर पानी निकालता है।
  - **सर्दियों के दौरान बर्फबारी और वर्षा में कमी** तथा दीर्घकालिक रखरखाव संबंधी समस्याओं के कारण भी इसमें गिरावट आई है।
- **ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व:**
  - नैनी झील नैनीताल **में सात पहाड़ियों** से घिरी एक **प्राकृतिक तथा गुर्दे के आकार की झील है।**
  - अंग्रेज़ व्यापारी **पी. बैरन ने 19वीं शताब्दी के मध्य में इसकी खोज की**, जिसके परिणामस्वरूप नैनीताल एक ब्रिटिश हिल स्टेशन के रूप में विकसित हुआ।
- **बढ़ती मांग और झील पर प्रभाव:**
  - पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्ष 2024 में नैनी झील शहर के 76% पानी की आपूर्ति करेगी।
  - जनसंख्या वृद्धि, **पर्यटन में वृद्धि और वाणिज्यिक गतिविधियों** ने झील पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।
- **मानव-प्रेरित अवनति:**
  - **उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की 2017 की रिपोर्ट में** पाया गया कि कुमाऊँ की झीलों में नैनी झील को सबसे अधिक मानव निर्मित व्यवधानों का सामना करना पड़ता है।
    - व्यवधानों में **अनियोजित निर्माण, अतिक्रमण और पुनर्भरण क्षेत्रों का क्षरण शामिल हैं।**
    - कंक्रीट की संरचनाएँ वर्षा जल के रिसाव को कम करती हैं, जिससे कम वर्षा वाले वर्षों में जल की कमी और भी बदतर हो जाती है।
  - **महत्त्वपूर्ण पुनर्भरण स्रोत, सूखाताल झील** में मलबा डालने से इसका मूल क्षेत्रफल दो हेक्टेयर से कम हो गया है।
    - अतिक्रमण और अवैध निर्माण के कारण झील का जलग्रहण क्षेत्र कम हो गया है तथा झील के पास मकान और होटल बढ़ते जा रहे हैं।
- **प्रदूषण और नागरिक मुद्दे:**
  - अनुपचारित अपशिष्ट जल का निर्वहन और अनुचित ठोस अपशिष्ट निपटान **प्रदूषण में योगदान करते हैं।**
  - अपर्याप्त सीवर प्रणालियों के कारण सीवेज का बहाव नालियों में हो जाता है, जो झील में गिरता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बदलते मौसम पैटर्न और जलवायु प्रभाव:**
  - जलवायु परिवर्तन ने उत्तराखंड में मौसम के पैटर्न को बदल दिया है।
  - **क्लाइमेट ट्रेंड्स के** एक अध्ययन में पाया गया कि वर्ष 1970 और 2022 के बीच **राज्य में वार्षिक औसत तापमान में 1.5°C की वृद्धि हुई।**
    - बढ़ते तापमान ने वर्षा और बर्फबारी के पैटर्न को प्रभावित किया है।
    - वार्षिक वर्षा 2022 में 2,400 मिमी. से घटकर 2024 में 2,000 मिमी. हो जाएगी।
  - जनवरी से मार्च 2025 तक नैनीताल में केवल 107 मिमी वर्षा हुई, जो पिछले वर्षों की तुलना में कम है।
  - 2022 की सर्दियों में इस क्षेत्र में चार बर्फबारी वाले दिन हुए थे जबकि 2025 में एक भी बर्फबारी नहीं होगी।
  - **1900 के दशक में** नैनी झील केवल दो बार शून्य स्तर तक पहुँची थी, लेकिन **2000 के बाद से यह दस बार से अधिक उस स्तर को पार कर चुकी है।**
- **कायाकल्प और संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता:**
  - झील को संरक्षित करने के लिये कई कानूनी याचिकाएँ दायर की गई हैं तथा सर्वोच्च न्यायालय ने 1993 में नैनीताल में वाणिज्यिक परिसरों पर प्रतिबंध लगा दिया था।
    - **हालाँकि, होमस्टे और आर्द्रभूमि** पर निर्माण सहित अनियमित निर्माण जारी है।
  - 2021 में, सूखाताल झील पुनरुद्धार परियोजना के बारे में चिंताएँ व्यक्त की गईं, जिसके कारण उत्तराखंड उच्च न्यायालय में एक **जनहित याचिका (PIL) दायर की गई।**
  - उच्च न्यायालय ने नवंबर 2022 में निर्माण कार्य रोक दिया, लेकिन सौंदर्यीकरण योजना के तहत 2024 में काम फिर से शुरू हो गया।

उत्तराखंड में मदरसे फिर से खुलेंगे

चर्चा में क्यों?

3 अप्रैल 2025 को, **उत्तराखंड** उच्च न्यायालय ने सरकार को **एक मदरसे को खोलने का आदेश दिया,** जिसे अधिकारियों ने **कथित तौर पर "अवैध" रूप से संचालित करने के लिये बंद कर दिया था,** बशर्ते कि संस्था राज्य सरकार की अनुमति के बिना इमारत में कोई स्कूल न चलाए।

मुख्य बिंदु

- **मदरसों पर सरकार की कार्रवाई:**
  - राज्य सरकार ने कथित तौर पर बिना मान्यता के संचालित होने और मदरसा बोर्ड के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहने **के कारण 136 से अधिक मदरसों को बंद कर दिया।**
  - राज्य के मुख्यमंत्री ने इन संस्थानों के वित्तपोषण की जाँच के भी आदेश दिये।
- **उच्च न्यायालय की अंतरिम राहत:**
  - अदालत ने **देहरादून स्थित मदरसा इनामुल उलूम को अंतरिम राहत** देते हुए उसे पुन: खोलने की अनुमति दे दी।
  - मदरसा मालिकों ने सीलिंग को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि वे एक पंजीकृत सोसायटी के तहत धार्मिक स्कूल चलाते हैं और राज्य ने बिना किसी कानूनी अधिकार के परिसर को सील कर दिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से मदरसे की संपत्ति सील करने में अपनाई गई कानूनी प्रावधानों और प्रक्रियाओं को स्पष्ट करने को भी कहा।

- **उचित प्रक्रिया पर न्यायालय की टिप्पणियाँ:**
  - उच्च न्यायालय ने कहा कि **मदरसे को बिना कारण बताओ नोटिस दिये सील कर दिया गया** तथा याचिकाकर्त्ताओं को सुनवाई से वंचित कर दिया गया।
  - अदालत ने आदेश दिया कि अगली सुनवाई तक संपत्ति को खोल दिया जाना चाहिये, बशर्ते याचिकाकर्त्ता यह वचन दें कि वे राज्य सरकार की मान्यता के बिना **मदरसा या स्कूल संचालित नहीं करेंगे।**

मदरसा

- मदरसा एक **अरबी शब्द है,** जिसका अर्थ **शैक्षणिक संस्थान होता है।**
- आरंभ में इस्लाम में मस्जिदें शैक्षणिक संस्थानों के रूप में कार्य करती थीं, लेकिन 10वीं शताब्दी तक, मदरसे इस्लामी दुनिया में धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष शिक्षा दोनों के लिये अलग-अलग संस्थाओं के रूप में विकसित हो गए।
- सबसे प्रारंभिक मदरसे खुरासान **और ट्रांसोक्सेनिया (आधुनिक पूर्वी और उत्तरी ईरान, मध्य एशिया और अफगानिस्तान) में स्थापित किये गए,** जहाँ बड़े संस्थान छात्रों, विशेष रूप से गरीब पृष्ठभूमि के छात्रों के लिये आवास उपलब्ध कराते थे।
- मान्यता प्राप्त मदरसे **राज्य बोर्ड के अधीन हैं; गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे दारुल उलूम नदवतुल उलमा और** दारुल उलूम देवबंद **जैसे** प्रमुख मदरसों के पाठ्यक्रम का पालन करते हैं।

वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-II (VVP-II)

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री **की अध्यक्षता में** केंद्रीय मंत्रिमंडल **ने** वित्त वर्ष **2024-25 से 2028-29 के लिये केंद्रीय क्षेत्र योजना** के रूप में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II (VVP-II) **को** मंजूरी दी।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - **यह योजना 'सुरक्षित, संरक्षित और जीवंत भूमि सीमाओं'** के लिये **विकसित** भारत@2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करती है।
  - **यह उत्तरी सीमा** (जो पहले से ही VVP-I के अंतर्गत आती है) को छोड़कर, **अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमाओं (ILB) से सटे** ब्लॉकों में गाँवों के **व्यापक विकास** पर केंद्रित है।
    - **कुल परिव्यय:** 6,839 करोड़ रुपए।
    - **कार्यान्वयन अवधि:** वित्त वर्ष 2028-29 तक।
  - **कवर किये गए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र:**
    - अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर (UT), लद्दाख (UT), मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल।
- **उद्देश्य:**
  - रणनीतिक सीमावर्ती गाँवों में **बेहतर जीवन स्थितियाँ** सृजित करना।
  - निवासियों को **पर्याप्त आजीविका के अवसर** प्रदान करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **समृद्ध और सुरक्षित अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को** सुनिश्चित करना।
- संवेदनशील क्षेत्रों में **सीमापार अपराध को नियंत्रित करना।**
- **सीमावर्ती आबादी को** राष्ट्रीय मुख्यधारा के साथ एकीकृत करना।
- **ग्रामीणों को सीमा सुरक्षा बलों की 'आँख और कान'** के रूप में सेवा करने में सक्षम बनाना, जिससे **आंतरिक सुरक्षा बढ़े।**

- **VVP-II के अंतर्गत प्रमुख प्रावधान:**
  - व्यक्तिगत गाँवों या ग्राम समूहों में **बुनियादी ढाँचे का विकास।**
  - सहकारी समितियों, **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** आदि के माध्यम से **मूल्य शृंखला विकास।**
  - स्थानीय समुदायों को शामिल करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिये सीमा-विशिष्ट **आउटरीच गतिविधियाँ।**
  - **स्मार्ट कक्षाओं** सहित **शिक्षा के बुनियादी ढाँचे** की स्थापना।
  - स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक दृश्यता को बढ़ावा देने के लिये **पर्यटन सर्किटों** का विकास।
  - सीमावर्ती क्षेत्रों में **विविध एवं स्थायी आजीविका अवसरों के लिये परियोजनाओं** का कार्यान्वयन।
- **कार्यान्वयन दृष्टिकोण:**
  - **ग्राम कार्य योजनाएँ** : सहयोगात्मक रूप से विकसित, राज्य, गाँव और सीमा-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप
  - **सड़क संपर्क:** PMGSY-IV के माध्यम से (ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधीन)
  - **उच्चाधिकार प्राप्त समिति** (कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में): कार्यान्वयन दिशा-निर्देशों में **छूट देने के लिये**
- **संतृप्ति केंद्रित (विषयगत क्षेत्र)**
  - कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न योजनाओं को एक साथ लाकर यह सुनिश्चित करना है कि चयनित गाँवों के **सभी व्यक्तियों और परिवारों को मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले।**
  - इसकी योजना इन क्षेत्रों के **सभी गाँवों को चार बुनियादी सेवाओं से** पूर्णतया कवर करने की भी है:
    - सभी मौसमों के लिये सड़क संपर्क
    - दूरसंचार कनेक्टिविटी
    - टेलीविज़न कनेक्टिविटी
    - विद्युतीकरण
    - प्रौद्योगिकी का उपयोग
    - एकीकृत योजना और ट्रैकिंग के लिये पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल उपकरणों द्वारा समर्थित कार्यान्वयन

अंतर दृष्टि

चर्चा में क्यों?

7 अप्रैल 2025 को **राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान, देहरादून** और **राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ (NAB),** नई दिल्ली ने संयुक्त रूप से **'अंतर दृष्टि' का उद्घाटन किया।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य एवं विशेषताएँ:**
  - 'अंतर दृष्टि' को दृष्टिबाधित व्यक्तियों के दैनिक अनुभवों का अनुकरण करने के लिये एक **अद्वितीय संवेदी अंधेरे कमरे के रूप में डिज़ाइन किया गया है।**
  - यह सुविधा दृष्टिहीन व्यक्तियों को पूर्ण अंधेरे में भी कार्य करने में सक्षम बनाती है, जिससे **अंधेपन या कम दृष्टि वाले व्यक्तियों** के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति **सहानुभूति और समझ को बढ़ावा मिलता है।**
  - इस पहल का उद्देश्य सामान्य जनता और दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन अनुभवों के बीच **अवधारणात्मक अंतर को पाटकर समावेशन को बढ़ावा देना है।**
- **अमर सेवा संगम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर:**
  - उद्घाटन के दिन, NIEPVD ने विकलांगता पुनर्वास में अग्रणी संगठन **अमर सेवा संगम** के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।**
- **'सक्षम समावेशन' ऐप का कार्यान्वयन:**
  - इस साझेदारी के माध्यम से, NIEPVD **विकासात्मक विकलांगता वाले बच्चों की शीघ्र पहचान, हस्तक्षेप और ट्रैकिंग** के लिये अमर सेवा संगम द्वारा विकसित **'सक्षम समावेशन' ऐप को लागू करेगा।**
  - NIEPVD दृष्टिबाधित उपयोगकर्त्ताओं के लिये ऐप की पहुँच और प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिये दृश्य विकलांगता में अपनी विशेषज्ञता को एकीकृत करेगा।
  - **यह ऐप टेली-परामर्श, पुनर्वास योजना और शीघ्र हस्तक्षेप के माध्यम से** अनुकूलित सहायता प्रदान करेगा, जिससे पहुँच और प्रभाव में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
  - यह पहल भारत भर में दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण और समग्र विकास के लिये **सुलभ, समावेशी और प्रौद्योगिकी-सक्षम प्रणालियों को बढ़ावा देने के DEPwD के लक्ष्य के अनुरूप है।**

विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016

- इसका उद्देश्य **विकलांग व्यक्तियों (PwDs)** के अधिकारों की **रक्षा करना और उन्हें बढ़ावा देना है।**
- **इसका उद्देश्य** विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCRPD) **को** प्रभावी बनाना है, जिसका भारत ने 2007 में अनुसमर्थन किया था।
- बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति को उस व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसमें **निर्दिष्ट विकलांगता का कम से कम 40% हिस्सा हो।**

चिंतन शिविर 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने उत्तराखंड के देहरादून में दो दिवसीय चिंतन शिविर 2025 का** शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में भारत से प्रमुख हितधारकों को **नीतियों को आकार देने, कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने** और **हाशिये पर पड़े समुदायों के लिये** सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने हेतु केंद्र-राज्य भागीदारी **को सशक्त करने के लिये संगठित किया जाता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **प्रतिनिधित्व:**
  - इस कार्यक्रम में 23 राज्यों के सामाजिक न्याय मंत्री शामिल हुए, जिससे राज्य स्तर पर **सशक्त** भागीदारी पर प्रकाश डाला गया।
  - इसमें 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिससे व्यापक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समावेशिता प्रदर्शित हुई।
- **दृष्टि:**
  - केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि **सामाजिक समानता के बिना राष्ट्रीय विकास अप्राप्य है।**
  - **उन्होंने चिंतन शिविर को विचारों के आदान-प्रदान, संवाद और** विकसित भारत की दिशा में प्रगति के आकलन के लिये एक मिशन-संचालित मंच बताया।
  - उन्होंने कल्याण से सशक्तीकरण की ओर बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को जाति, लिंग, योग्यता या पृष्ठभूमि के बावजूद सम्मान के साथ आगे बढ़ने के समान अवसर मिलने चाहिये।
- **प्रमुख लक्षित क्षेत्र:**
  - विचार-विमर्श चार मुख्य स्तंभों - शिक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक संरक्षण और सुगम्यता पर आधारित था।
  - विभाग ने **दिव्यांगजनों को सहायता (ADIP)**, दिव्यांगजनों के लिये छात्रवृत्ति, कौशल विकास और डिजिटल समावेशन जैसी योजनाओं में प्रगति प्रदर्शित की।
  - राज्यों ने मोबाइल मूल्यांकन शिविर, समावेशी स्कूल बुनियादी ढाँचे और सुलभ परिवहन मॉडल जैसे सर्वोत्तम तरीकों को साझा किया।
  - **चर्चा में प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति** और **पीएम-यशस्वी पर** भी चर्चा की गई, जिसमें हाशिये पर पड़े समूहों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
    - राज्यों ने डिजिटल अनुप्रयोगों, सत्यापन प्रणालियों तथा ग्रामीण एवं **जनजातीय समुदायों तक पहुँच से संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डाला।**
  - मंत्रालय ने छात्रवृत्ति कार्यान्वयन में सुधार के लिये **सक्रिय संचार और जमीनी स्तर पर लामबंदी अपनाने का आग्रह किया।**
- **आजीविका और आर्थिक समावेशन:**
  - मंत्रालय ने **पीएम-अजय** और **SEED के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया,** जिसमें राज्यों ने परिसंपत्ति निर्माण, क्लस्टर विकास और उद्यमिता में सफल मॉडल प्रदर्शित किये।
  - चर्चा में स्वच्छता कार्य के आधुनिकीकरण, **मैनुअल स्कैवेंजिंग को समाप्त करने तथा** प्रौद्योगिकी और अंतर-एजेंसी समन्वय के माध्यम से सफाई कर्मचारियों - विशेषकर महिलाओं के सम्मान को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **कानूनी सुरक्षा और सामाजिक न्याय:**
  - **नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम और** अत्याचार **निवारण अधिनियम** के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई।
  - मंत्रालय ने तीव्र जाँच, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को संवेदनशील बनाने तथा **जाति आधारित भेदभाव के पीड़ितों के लिये मज़बूत कानूनी सहायता का आह्वान किया।**
  - ज़िला स्तरीय जवाबदेही और न्याय प्रदान करने के लिये पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

पीएम-यशस्वी योजना

- **परिचय:**
  - सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई यह योजना **हाशिये पर पड़े छात्रों** को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये **वित्तीय सहायता प्रदान करती है।**
- **पात्रता:**
  - **यह ओबीसी, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (EBC) और DNT छात्रों** के लिये खुला है, जिनकी पारिवारिक आय **2.5 लाख रुपए प्रति वर्ष** तक है।
- **उप-योजनाएँ:**
  - यह एक **व्यापक** योजना है, जिसमें निम्नलिखित उप-योजनाएँ शामिल हैं:
  - प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति: 2.5 लाख रुपए से कम आय वाले परिवारों को **4,000 रुपए वार्षिक शैक्षणिक भत्ता।**
  - पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति: पाठ्यक्रम श्रेणी के आधार पर **5,000 रुपए से 20,000 रुपए तक।**
  - **कॉलेज शिक्षा:** शीर्ष कॉलेज के छात्रों को ट्यूशन, रहने का खर्च और शिक्षा सामग्री सहित **पूर्ण वित्तीय सहायता मिलती है।**
  - **छात्रावास:** सरकारी स्कूलों और संस्थानों के पास आवास की सुविधा।

SEED

- **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय** द्वारा फरवरी 2022 में विमुक्त/घुमंतू/अर्धघुमंतू (SEED) समुदायों के आर्थिक सशक्तीकरण की योजना शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य **इन छात्रों को नि:शुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग प्रदान करना,** परिवारों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करना, आजीविका पहल के माध्यम से इन समुदायों के समूहों का उत्थान करना तथा आवास के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

इक्विन इन्फ्लूएंजा

चर्चा में क्यों?

रुद्रप्रयाग के दो गाँवों में **घोड़ों और खच्चरों में इक्विन इन्फ्लूएंजा का** पता चलने के बाद, उत्तराखंड सरकार ने चार धाम यात्रा से पहले इसके प्रसार को रोकने के लिये कदम उठाने शुरू कर दिये हैं।

मुख्य बिंदु

- **इक्विन इन्फ्लूएंजा: जिसे** आमतौर पर **"हॉर्स फ्लू" के नाम से जाना जाता है,** घोड़ों को प्रभावित करने वाली एक **तेज़ी से फैलने वाली श्वसन संबंधी बीमारी है।**
  - यह रोग मुख्यत: **इन्फ्लूएंजा ए वायरस के दो उपप्रकारों H3N8 और H7N7 के कारण होता है।**
    - यह वायरस **संक्रमित पशुओं या दूषित वातावरण के सीधे संपर्क से तेज़ी से फैलता है।**
  - यद्यपि **इक्विन** इन्फ्लूएंजा कभी- कभी ही घातक होता है, फिर भी यह **गंभीर जटिलताओं को जन्म दे सकता है,** विशेष रूप से युवा घोड़ों में, जिसमें द्वितीयक जीवाणु संक्रमण और दीर्घकालिक श्वसन संबंधी समस्याएं शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **सरकारी प्रतिक्रिया और कार्य योजना:**
  - उत्तराखंड सरकार ने तीर्थयात्रा सीजन के दौरान **बीमारी को फैलने से रोकने के लिये रोकथाम के उपाय शुरू किये हैं।**
  - राज्य **के पशुपालन मंत्री ने** स्थिति का आकलन करने और प्रतिक्रिया हेतु मार्गदर्शन हेतु एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।
    - मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यात्रा में भाग लेने की अनुमति देने से पहले **सभी घोड़ों और खच्चरों की जाँच को प्राथमिकता दी जाए।**
  - अन्य राज्यों से उत्तराखंड में प्रवेश करने वाले घोड़ों और खच्चरों को **वैध स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र और नकारात्मक इक्विन इन्फ्लूएंजा परीक्षण रिपोर्ट साथ लानी होगी।**
- **चार धाम यात्रा कार्यक्रम 2025:**
  - चार धाम यात्रा 30 अप्रैल 2025 को यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ शुरू होगी ।
  - केदारनाथ धाम **के कपाट** 2 मई को खुलेंगे और उसके बाद बद्रीनाथ धाम **के कपाट** 4 मई को खुलेंगे।

चार धाम यात्रा

यमुनोत्री धाम:
- **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
- **समर्पित:** देवी यमुना को।
- **यमुना नदी** भारत में **गंगा नदी** के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी मानी जाती है।

- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा को।
  - **सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।**
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित:** भगवान शिव को।
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
  - भारत में स्थित 12 **ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य स्वरूप) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र **बद्रीनारायण मंदिर** का घर।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु को।
  - **वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तराखंड में सिल्क्यारा सुरंग

चर्चा में क्यों ?

16 अप्रैल, 2025 को उत्तराखंड में 4.53 किमी. लंबी सिल्क्यारा सुरंग की खुदाई पूरी हो गई, जिसका **नाम स्थानीय देवता बाबा बौखनाग के नाम पर रखा गया।**

मुख्य बिंदु

- **मंदिर का उद्घाटन:**
  - राज्य के मुख्यमंत्री ने सिल्क्यारा सुरंग के मुहाने पर **बाबा बौखनाग मंदिर का उद्घाटन किया।**
  - उन्होंने सुरंग निर्माण में हुई सफलता को **उन्नत इंजीनियरिंग, विश्वास और समर्पण का प्रतीक बताया।**
  - सुरंग के निर्माण का कार्य **राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (NHIDCL)**, जो **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**, भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है, द्वारा **हैदराबाद स्थित नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी को सौंपा गया था।**
- **चार धाम संपर्क और सामरिक महत्त्व:**
  - यह डबल लेन सुरंग, **चारधाम बारहमासी सड़क परियोजना का हिस्सा है** तथा एक प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजना है।
  - 1,384 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली इस **सुरंग से गंगोत्री और यमुनोत्री के बीच की दूरी 25 किलोमीटर कम हो जाएगी**, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में सुधार होगा।

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना को।
  - **यमुना नदी** भारत में **गंगा नदी** के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी मानी जाती है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा को।
  - **सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।**
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित:** भगवान शिव को।
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
  - भारत में स्थित 12 **ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य स्वरूप) में से एक।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र **बद्रीनारायण मंदिर** का घर।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु को।
  - **वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।**

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लिंक परियोजना

चर्चा में क्यों ?

16 अप्रैल 2025 को **उत्तराखंड के** मुख्यमंत्री और **केंद्रीय रेलमंत्री उत्तराखंड के जनासू में भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग** के निर्माण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की

मुख्य बिंदु

- **ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का हिस्सा:**
  - 14.57 किलोमीटर लंबी सुरंग नंबर 8 देवप्रयाग और जनासू के बीच स्थित है और 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ब्रॉड गेज रेल लाइन **का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।**
  - इस परियोजना का लक्ष्य पाँच हिमालयी ज़िलों- देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग में कनेक्टिविटी बढ़ाना है।
  - इस परियोजना में भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में पहली बार टनल बोरिंग मशीन (TBM) **तकनीक का उपयोग किया गया है।**
- **तकनीकी और तार्किक चुनौतियों पर नियंत्रण:**
  - 165 मीट्रिक टन वज़न वाले TBM घटकों को मुंद्रा बंदरगाह से हिमालय की संकरी सड़कों और पुराने पुलों के माध्यम से ले जाया गया।
  - यह सुरंग भूकंपीय क्षेत्र IV **से होकर गुजरती है,** जिसके कारण टेक्टोनिक गतिविधि के कारण उन्नत डिज़ाइन और भूवैज्ञानिक जाँच की आवश्यकता होती है।
- **प्रभाव:**
  - 125 किलोमीटर लंबे मार्ग का 83% से अधिक हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरता है, जिसमें मुख्य और निकास मार्गों पर कुल 213 किलोमीटर सुरंगें शामिल हैं।
  - परियोजना पूरी हो जाने पर, **यात्रा का समय कम हो जाएगा,** सभी मौसम में पहुँच सुनिश्चित होगी और उत्तराखंड में पर्यटन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।
  - यह सरकार के विकसित भारत 2047 **विजन के तहत चार धाम रेल कनेक्टिविटी पहल को** साकार करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि का भी प्रतिनिधित्व करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विज़न इंडिया@2047

- **परियोजना:**
  - विज़न इंडिया@2047 अगले 25 वर्षों में भारत के विकास का एक खाका या ब्लूप्रिंट तैयार करने के लिये भारत के शीर्ष **नीति थिंक टैंक नीति आयोग** द्वारा शुरू की गई एक परियोजना है।
  - परियोजना का **लक्ष्य भारत को नवाचार एवं प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी देश बनाना** है जो मानव विकास एवं सामाजिक कल्याण के मामले में भी एक मॉडल देश होगा और पर्यावरणीय संवहनीयता का प्रबल पक्षसमर्थक होगा।
- **उद्देश्य:**
  - **18-20 हज़ार अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय** और मज़बूत सार्वजनिक वित्त एवं एक सुदृढ़ वित्तीय क्षेत्र के साथ 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करना।
  - ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में **विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना** और सुविधाओं का निर्माण करना।
  - नागरिकों के जीवन में सरकार के अनावश्यक हस्तक्षेप को समाप्त करना और डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं शासन को बढ़ावा देना।
  - विलय या पुनर्गठन द्वारा और स्वदेशी उद्योग एवं नवाचार को बढ़ावा देने के माध्यम से हर क्षेत्र में 3-4 वैश्विक चैंपियन विकसित करना।
  - **रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना** तथा विश्व में भारत की भूमिका की वृद्धि करना।
  - नवीकरणीय ऊर्जा **क्षमता में वृद्धि** और कार्बन उत्सर्जन को कम करके हरित विकास एवं जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देना।
  - युवाओं को कौशल एवं शिक्षा के साथ सशक्त बनाना और रोज़गार के अधिक अवसर पैदा करना।
  - देश में शीर्ष स्तर की 10 प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिये विदेशी अनुसंधान एवं विकास संगठनों के साथ साझेदारी करना और कम से कम 10 भारतीय संस्थानों को वैश्विक स्तर पर शीर्ष 100 की सूची में लाना।

उत्तराखंड में अवैध निवासियों के विरुद्ध अभियान

चर्चा में क्यों ?

17 अप्रैल 2025 को **उत्तराखंड के मुख्यमंत्री** ने राज्य **पुलिस** को निर्देश दिये कि वह **फर्जी पहचान-पत्रों** का उपयोग कर राज्य में **अवैध रूप से रह रहे लोगों** की पहचान करे और उनके विरुद्ध **सख़्त कार्रवाई** के लिये **विशेष अभियान** चलाए।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - मुख्यमंत्री ने **ड्रग माफिया** और कानून-व्यवस्था को बाधित करने वाले सभी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई तेज़ करने के भी निर्देश दिये।
  - **साइबर अपराध से संबंधित** प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) **दर्ज करने में देरी** को ध्यान में रखते हुए, मुख्यमंत्री ने इन मामलों में की गई कार्रवाई पर **स्थिति रिपोर्ट** की मांग की।
  - उन्होंने पुलिस से साइबर अपराध **की शिकायतों पर प्रतिक्रिया तंत्र को मज़बूत करने का आग्रह किया।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उन्होंने जनता का विश्वास और दक्षता बढ़ाने के लिये **पुलिस विभाग के सभी स्तरों पर कार्य संस्कृति में सुधार लाने** का भी आह्वान किया।

प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)

- यह एक **लिखित दस्तावेज है,** जो पुलिस द्वारा तब तैयार किया जाता है जब उन्हें किसी **संज्ञेय अपराध के घटित होने की सूचना प्राप्त होती है।**
- यह सूचना की वह रिपोर्ट होती है, जो उस समय पुलिस के पास सबसे पहले पहुँचती है और इसीलिये इसे **प्रथम सूचना रिपोर्ट कहा जाता है।**
- **यह आमतौर पर किसी संज्ञेय अपराध के पीड़ित या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति** द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत होती है। कोई भी व्यक्ति मौखिक या लिखित रूप से संज्ञेय अपराध की रिपोर्ट कर सकता है।
- FIR के **तीन महत्त्वपूर्ण तत्त्व** हैं:
  - सूचना **किसी संज्ञेय अपराध के घटित होने से संबंधित होनी चाहिये**।
  - इसे पुलिस थाने के प्रमुख को **लिखित या मौखिक रूप से** दिया जाना चाहिये,
  - इसे लिखित रूप में रखना होगा तथा **सूचना देने वाले द्वारा हस्ताक्षरित करना होगा** तथा इसके मुख्य बिंदुओं को **दैनिक डायरी में दर्ज करना होगा**।

कैलाश मानसरोवर यात्रा

चर्चा में क्यों ?

भारतीय और चीनी अधिकारी कैलाश मानसरोवर **वार्षिक तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करने के लिये एक समझौते को अंतिम रूप देने के प्रयासों में तेज़ी ला रहे हैं,** जो **2019 से निलंबित है।**

मुख्य बिंदु

- **घटनाक्रम के बारे में:**
  - **कोविड-19 महामारी और सीमा तनाव के कारण वर्ष 2020 से निलंबित** तीर्थयात्रा फिर से शुरू होने वाली है।
  - दोनों **राष्ट्र सीधी हवाई सेवाएँ पुनः शुरू करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं,** जिसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों के लिये यात्रा को सुविधाजनक बनाना तथा लोगों के बीच आपसी संपर्क को मज़बूत करना है।
  - **जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों के आदान-प्रदान तथा सीमा पार नदियों पर सहयोग को पुनः आरंभ करने,** आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ाने के लिये चर्चा चल रही है।
  - वर्ष 2025 भारत और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगाँठ होगी, जो यात्रा जैसी पहलों के माध्यम से संबंधों को फिर से बनाने का एक उपयुक्त अवसर प्रदान करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कैलाश पर्वत

- यह **तिब्बत में स्थित काली चट्टान से बनी हीरे के आकार की** चोटी है।
- **भारत प्रतिवर्ष जून और सितंबर के बीच उत्तराखंड में** लिपुलेख दर्रे (1981 से) और सिक्किम में नाथू ला दर्रे (2015 से) के माध्यम से **कैलाश मानसरोवर यात्रा** (KMY) का आयोजन करता है।
- **कैलाश पर्वत की** ऊँचाई **6,638 मीटर है और इसे हिंदू,** बौद्ध, जैन **और बोन** (तिब्बत का स्वदेशी धर्म) धर्मावलंबियों द्वारा पवित्र शिखर माना जाता है।
  - **तिब्बती बौद्धों** के लिये, कैलाश ब्रह्मांडीय धुरी या **मेरु पर्वत है,** जो **स्वर्ग और पृथ्वी को जोड़ता है।**
  - **हिंदू धर्म** में, यह **भगवान शिव और देवी पार्वती का निवास स्थान है।**
  - जैन धर्म में, कैलाश अष्टापद है, जहाँ ऋषभनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था।
  - कैलाश पर्वत को **पृथ्वी का आध्यात्मिक केंद्र माना जाता है,** जहाँ से सतलुज, ब्रह्मपुत्र, कमली और सिंधु नदियाँ निकलती हैं।
  - मानसरोवर झील **पर्वत की तलहटी** में स्थित है।
  - हालाँकि कैलाश पर्वत की **ऊँचाई** माउंट एवरेस्ट (**8,849 मीटर) से कम है,** फिर भी **इस पर चढ़ाई नहीं की जा सकती,** क्योंकि इसके **पवित्र महत्त्व** के कारण इस **पर चढ़ाई प्रतिबंधित है।**

FSSAI ने चार धाम यात्रा के दौरान स्वस्थ आहार को बढ़ावा दिया

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड **सरकार ने** भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के सहयोग से चार धाम यात्रा **मार्ग** पर **खाद्य विक्रेताओं और भोजनालयों को** भोजन में **नमक, चीनी और तेल का उपयोग कम करने** के लिये जागरूक करने के लिये एक अभियान शुरू किया है।

- प्रशिक्षण कार्यशालाएँ **उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, ऋषिकेश, हरिद्वार, चम्बा और श्रीनगर में आयोजित की गई हैं।**

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
  - देवी यमुना को **समर्पित।**
  - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
  - देवी गंगा को **समर्पित।**
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - भगवान शिव **को समर्पित।**
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
  - **भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - बद्रीनारायण मंदिर का पवित्र धाम।
  - भगवान विष्णु **को समर्पित।**
  - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

मुख्य बिंदु

- **अभियान की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **उद्देश्य:**
    - **चार धाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जोखिम** (जैसे, हृदयाघात, साँस लेने संबंधी समस्याएँ) को कम करने के लिये **स्वास्थ्यवर्धक खाना पकाने की पद्धतियों** और आहार संबंधी आदतों को बढ़ावा देना।
    - **यह फिट इंडिया मूवमेंट** और नमक, चीनी और तेल की खपत **में** 10% की कमी के लिये **प्रधानमंत्री की अपील** का एक हिस्सा है।
- **कार्यान्वयन एवं निगरानी एजेंसियाँ:**
  - खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FDA), उत्तराखंड
  - ज़िला प्रशासन, उत्तराखंड
- **खाद्य विक्रेताओं के लिये आहार संबंधी दिशा-निर्देश:**
  - भोजन में नमक, चीनी और तेल का प्रयोग **कम करना।**
  - पापड़, अचार और **एमएसजी (मोनोसोडियम ग्लूटामेट) युक्त चीजों से बचना।**
    - एमएसजी, जिसे **अजिनोमोटो के नाम से भी जाना जाता है**, एक व्यापक रूप से प्रयुक्त खाद्य योज्य है जो स्वाद, विशेष रूप से उमामी स्वाद को बढ़ाता है।
    - यह **ग्लूटामिक एसिड का सोडियम लवण है**, जो कई खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से मौजूद एक एमिनो एसिड है।
  - खजूर और फलों जैसे **प्राकृतिक मीठे पदार्थों का प्रयोग करना।**
- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था:**
  - 50 वर्ष से अधिक आयु के तीर्थयात्रियों के लिये स्वास्थ्य **जाँच अनिवार्य।**
    - 2024 में **9.5 लाख लोगों** की स्वास्थ्य जाँच की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI)

- **परिचय:**
  - FSSAI **खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के** तहत स्थापित एक **स्वायत्त वैधानिक निकाय है।**
  - FSSAI **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** के अधीन कार्य करते हुए भारत में खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता को विनियमित और पर्यवेक्षण करके **सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा और संवर्धन के लिये ज़िम्मेदार है।**
  - FSSAI का **मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है** और देश भर में आठ क्षेत्रों में इसके क्षेत्रीय कार्यालय हैं।
  - FSSAI के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है। अध्यक्ष **भारत सरकार के सचिव के पद पर होते हैं।**
- **कार्य एवं शक्तियाँ:**
  - खाद्य उत्पादों और योजकों के लिये **विनियमन और मानक** तैयार करना।
  - खाद्य व्यवसायों को **लाइसेंस एवं पंजीकरण** प्रदान करना।
  - खाद्य सुरक्षा कानूनों और विनियमों का प्रवर्तन।
  - खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता की **निगरानी और निरीक्षण।**
  - खाद्य सुरक्षा मुद्दों पर **जोखिम मूल्यांकन और वैज्ञानिक अनुसंधान** आयोजित करना।
  - खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर **प्रशिक्षण और जागरूकता** प्रदान करना।
  - **खाद्य सुदृढ़ीकरण** और जैविक खाद्य को बढ़ावा देना।
  - खाद्य सुरक्षा मामलों पर अन्य एजेंसियों और हितधारकों के साथ समन्वय करना।
- **घटनाएँ और सूचकांक:**
  - विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस
  - राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक

एसईएफसीओ-2025

चर्चा में क्यों?

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद - भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (CSIR-IIP), **देहरादून** 23 से 25 अप्रैल 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन **"ऊर्जा भविष्य को आकार देना: चुनौतियाँ और अवसर" (SEFCO-2025) की मेज़बानी कर रहा है।**

मुख्य बिंदु

- **SEFCO के बारे में:**
  - CSIR-IIP ने **2017 में SEFCO** सम्मेलन का पहला संस्करण आयोजित किया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसका उद्देश्य ऊर्जा और रसायन क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों का समाधान करके **एक टिकाऊ ऊर्जा भविष्य के विकास में योगदान करना है।**
- **यह SEFCO सम्मेलन** का **7वाँ** संस्करण **है** और यह एक अंतर्राष्ट्रीय आयोजन बन गया है।
- **SEFCO-2025 का विषय** है " **सस्ती ऊर्जा और रसायनों के साथ एक सतत भविष्य को उत्प्रेरित करना।"**

- **SEFCO-2025 की मुख्य विशेषताएँ:**
  - तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के व्याख्यान होंगे, जिनमें शिक्षा और उद्योग जगत के युवा वैज्ञानिक और शोधकर्त्ता भी शामिल होंगे।
  - SEFCO-2025 में **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 300** से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।
  - सम्मेलन में **CSIR-IIP के तकनीकी नवाचारों और अनुसंधान उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी शामिल है।**
  - SEFCO-2025 को प्रमुख सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों से मज़बूत समर्थन प्राप्त हुआ है, जिनमें शामिल हैं:
    - तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC), इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (EIL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL), क्रिस्टोल, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL), गेल, एयरबस, नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (NRL), चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (CPCL) और आरएल सॉल्यूशंस।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)

- **वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) वर्ष 1942 में स्थापित सबसे बड़े अनुसंधान एवं विकास (R&D) संगठनों में से एक** है।
  - इसका वित्तपोषण **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय** द्वारा किया जाता है तथा यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है।
- **यह** रेडियो और अंतरिक्ष भौतिकी, समुद्र विज्ञान और **भूभौतिकी से लेकर जैव प्रौद्योगिकी**, नैनो प्रौद्योगिकी, **खनन, वैमानिकी, पर्यावरण इंजीनियरिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी तक** के व्यापक क्षेत्रों को कवर करता है।

शिव प्रतिमा केदारनाथ मंदिर के लिये रवाना

चर्चा में क्यों?

फूलों से सुसज्जित और पालकी में रखी **भगवान शिव की मूर्ति** अपने **शीतकालीन निवास उखीमठ से** केदारनाथ मंदिर के लिये रवाना हुई, जो 2 मई 2025 को भक्तों के लिये फिर से खुल जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **अनुष्ठान:**
  - गर्मियों में केदारनाथ मंदिर के पुन: खुलने से पहले, एक **प्रमुख अनुष्ठान में भगवान शिव की मूर्ति को उखीमठ के श्री** ओंकारेश्वर मंदिर से, जहाँ सर्दियों के दौरान उनकी पूजा की जाती है, केदारनाथ मंदिर में वापस स्थानांतरित किया जाता है।
  - भगवान शिव की मूर्ति को लेकर चलने वाली पाँच **मुख वाली पालकी** पंचमुखी **डोली, गुप्तकाशी, फाटा और** गौरीकुंड **में** निर्धारित पड़ावों के साथ **केदारनाथ की ओर अपनी पारंपरिक यात्रा पर निकलती है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना को।
  - **यमुना नदी** भारत में **गंगा नदी** के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी मानी जाती है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा को।
  - **सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।**
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित:** भगवान शिव को।
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
  - भारत में स्थित 12 **ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य स्वरूप) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र **बद्रीनारायण मंदिर** का घर।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु को।
  - **वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।**

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :